विषय-सूची

क्र०सं०	विवरण	पृ०सं०
	प्राक्कथन	
0	भूमिका	1-17
0-1	पूर्व कार्यों का परिचय	
0-1-1	भाषा के समाजशास्त्रीय कार्यों की प्रकृति तथा उपलब्धियाँ	
0-1-1-1	स्वतंत्र कार्य	
0-1-1-2	शोध कार्य	
0-1-1-3	शोध लेख	
0-2	प्रस्तुत कार्य की आवश्यकता तथा उपयोगिता	
0-3	सामग्री संकलन पद्धति	
0-4	विश्लेषण-विवेचन पद्धति	
1-0	उपन्यासों का वर्गीकरण	18-25
1-1	सामाजिकता के आधार पर	
1-2	भाषा के आधार पर	
2-0	उपन्यासों में प्रयुक्त समाज	26-44
2-1	धर्म	
2-2	शिक्षा	
2-3	साहित्य, कला-शिल्प	
2-4	राजनीति	
2-5	व्यापार	
2-6	धन	

3-0 सामाजिक अधिक्रमिक व्यवस्था में विभिन्न वर्गों की स्थिति 45-59

3-1 सामाजिक स्तरभेद और विभिन्नवर्गीय भाषा स्थिति

3-2 पद, योग्यता, कुलीनता, शिक्षा, धर्म, आयु-लिंग आदि तथा भाषा प्रयोग ।

4-0 बहुभाषिकता, द्विभाषिकता तथा विभिन्न पात्रों के संवाद 60-76

4-1 बहुभाषी पात्रों तथा द्विभाषी पात्रों के संवाद

4-2 द्विभाषी पात्रों के संवाद

4-3 द्विभाषी पात्रों तथा एकभाषा-भाषी पात्रों के संवाद

5-0 विभिन्न सामाजिक स्तरीय पात्रों के संवादों की भाषा 77-117

5-1 समवर्गीय पात्रों के संवाद

5-2-1 शासक-शासक तथा अधिकारी-अधिकारी वर्ग के पात्रों के संवाद ।

5-1-2 अधीनस्थ तथा अधीनस्थ वर्ग के पात्रों के संवादों की भाषा

5-1-3 शिक्षक-शिक्षक, अधिवक्ता-अधिवक्ता, धर्माध्यक्ष-धर्माध्यक्ष तथा साहित्यकार-साहित्यकारों के संवादों की भाषा ।

5-1-4 एक ही जाति के पात्रों के संवादों की भाषा

5-1-5 एक ही व्यवसाय के पात्रों के संवादों की भाषा

5-1-5-1 शराबियों के संवादों की भाषा

5-1-5-2 जुआरियों के संवादों की भाषा

5-1-5-3 वेश्याओं के संवादों की भाषा

5-1-5-4 विभिन्न कर्मकार जातियों के पात्रों के संवादों की भाषा ।

5-2-1 विभिन्नवर्गीय पात्रों के संवादों की भाषा

5-2-1-1 अधिकारी तथा अधीनस्थ वर्ग के पात्रों के संवादों की भाषा

5-2-1-2 उच्च वर्ग तथा मध्यम वर्ग के पात्रों की भाषा

5-2-1-3	उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग के पात्रों की भाषा	
5-2-1-4	मध्यम वर्ग तथा निम्न वर्ग के पात्रों की भाषा	
6-0	भाषा-कोश तथा कोड मैट्रिक्स	118-145
6-1	कोड चयन	
6-2	कोड परिवर्तन	
6-3	कोड मिश्रण	
7-0	भाषा सम्पर्क, भाषा सामंजस्य तथा भाषा नियोजन	146-155
7-1	भाषायी एकता तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों की स्थिति	
7-2	भाषा-भिन्नता तथा सामाजिक विषमता	
7-3	भाषा तथा बोलियों का वितरण एवं भाषा नियोजन	
8-0	अभिनव भाषिक प्रयोगों द्वारा सामाजिक वर्गों का पुनर्गठन	156-159
9-0	विभिन्नवर्गीय पात्रों के संवादों में प्रयुक्त बहुस्तरीय शब्दावली ।	160-194
9-1	सामाजिक स्तरीय शब्दावली	
9-1-1	स्थाननामों, जातिनामों, व्यक्तिनामों, अधिनामों तथा गोत्रनामों से सम्बन्धित शब्दावली ।	
9-1-2	सम्बोधनपरक, खानपान, रहन-सहन, शिक्षा संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं से सम्बन्धित शब्दावली ।	
9-2	सांस्कृतिक स्तरीय शब्दावली	
9-2-1	अभिवादनपरक, नाते-रिश्ते सम्बन्धी, शकुन-अपशकुन, संस्कारों तथा टोनों-टोटकों से सम्बन्धित शब्दावली ।	
10-	विभिन्नवर्गीय शब्दावली के सानुपातिक प्रयोग द्वारा सामाजिक स्तरभेदों तथा सांस्कृतिक विविधताओं का निर्धारण ।	195-199

10-1	भारतीय समाज तथा संस्कृति	
10-1-1	मानक समाज तथा संस्कृति	
10-1-2	अमानक समाज तथा संस्कृति	
10-2	भारतीयेतर समाज तथा संस्कृति	
11-	विभिन्न प्रकार के पात्रों के संवादों में प्रयुक्त वाक्य रचना द्वारा अभिव्यंजित समाज रूप ।	200-205
11-1	आदर्श भारतीय समाज	
11-2	पश्चिमोन्मुख भारतीय समाज	
12-	निष्कर्ष तथा उपलब्धियाँ	206-208

परिशिष्ट - (क) मानक हिन्दी तथा बोलियाँ 209-215
(ख) मानक भाषा तथा आंचलिक भाषा
(ग) भाषा-विचलन तथा सामाजिक प्रदर्शन
(घ) विशिष्ट आधारभूत शब्दावली

ग्रन्थ-सूची- 216-220

1- आधारग्रन्थ सूची
2- सहायक ग्रन्थ सूची

2-1 स्वतंत्र ग्रन्थ सूची
2-2 शोध ग्रन्थ सूची
2-3 शोध-लेख सूची

अनुसंधित्सु,